हिन्दी दैनिक

सदा-ए-हुसैनी

صدائے حسینی

www.sadaehussaini.

email: sadaehussaini@gmail.com Wednesday , April ,14, 2026 News Editor : Syed Jaffer

परिसीमन और लोकसभा सीटों का विस्तार

क्या दक्षिण भारत के साथ अन्याय ?

सैयद जाफर हुसैन

देश में लोकसभा सीटों के विस्तार और परिसीमन (डिलिमिटेशन) को लेकर शुरू हुई बहस अब गंभीर राजनीतिक और संवैधानिक मुद्दा बनती जा रही है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी द्वारा उठाए गए सवाल केवल एक राज्य तक सीमित नहीं हैं, बल्कि पूरे दक्षिण भारत की सामूहिक चिंता को दर्शाते हैं।

प्रस्ताव है कि लोकसभा की सीटों को ५४३ से बढ़ाकर लगभग ८७० तक किया जाए और इनका वितरण जनसंख्या (प्रो-. राटा) के आधार पर हो। पहली नजर में यह लोकतांत्रिक सिद्धांत "एक व्यक्ति, एक वोट" के अनुरूप लगता है, लेकिन भारत जैसे विविधताओं से भरे संघीय ढांचे में यह फार्मूला कई गंभीर असंतुलन पैदा कर सकता है।

दक्षिण भारत के राज्योंकृतामिलनाडु, केरल, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंग. नाकृने पिछले कई दशकों में जनसंख्या नियंत्रण, शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। इन राज्यों ने केंद्र की नीतियों का पालन करते हुए जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित किया। लेकिन अब यदि सीटों का बंटवारा केवल जनसंख्या के आधार पर किया जाता है, तो इन राज्यों की संसद में प्रतिनिधित्व घट जाएगा।

इसके विपरीत, जिन राज्यों में जन. संख्या वृद्धि अधिक रही है, उन्हें अधिक सीटें मिलेंगी, जिससे उनकी राजनीतिक ताकत और बढ़ेगी। यह स्थिति एक तरह से "अच्छा प्रदर्शन करने वालों को सजा और कमज़ोर प्रदर्शन करने वालों को इनाम" देने जैसी होगी।

इतिहास इस बात का गवाह है कि इस तरह के संवेदनशील मुद्दों पर जल्दबाजी में निर्णय नहीं लिए गए। इंद्रा गांधी और अटल बिहारी वाजपाई ने राष्ट्रीय एकता और संतुलन को बनाए रखने के लिए परिसीमन की प्रक्रिया को कई वर्षों तक स्थगित रखा था। उनका यह कदम दू. रदर्शिता का उदाहरण था।

आज जब देश "विकसित भारत" की दिशा में आगे बढ़ने की बात कर रहा है, तो यह आवश्यक है कि सभी क्षेत्रों को समान महत्व दिया जाए। केवल जन. संख्या के आधार पर प्रतिनिधित्व तय करना, आर्थिक योगदान, मानव विकास और प्रशासनिक दक्षता जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं को नजरअंदाज करना होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के सामने यह एक बड़ी चुनौती है कि वह इस मुद्दे पर सभी राज्यों और राजनीतिक दलों के साथ व्यापक चर्चा करे। बिना सहमति के लिया गया कोई भी निर्णय क्षेत्रीय असंतोष को जन्म दे सकता

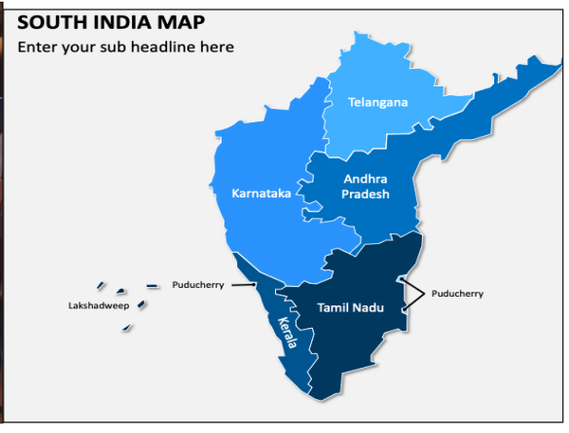

है, जो देश की एकता और अखंडता के लिए खतरनाक होगा।

इस संदर्भ में "हाइब्रिड मॉडल" एक संतुलित समाधान के रूप में सामने आता है। इसमें सीटों के एक हिस्से को जन. संख्या के आधार पर और दूसरे हिस्से को राज्यों के आर्थिक योगदान (टैक्स) और विकास के मानकों के आधार पर बांटा जा सकता है। इससे न केवल प्रतिनिधित्व में संतुलन बना रहेगा बल्कि राज्यों को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहन भी मिलेगा।

साथ ही, महिलाओं के लिए ३३□ आ. रक्षण जैसे मुद्दों को परिसीमन और सीटों के विस्तार से अलग रखकर तुरंत लागू किया जाना चाहिए, ताकि लोकतंत्र में समान भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

अंततः, यह केवल सीटों की संख्या का मुद्दा नहीं है, बल्कि भारत के संघीय ढांचे, क्षेत्रीय संतुलन और राष्ट्रीय एकता का प्रश्न है। यदि इस पर संवेदनशीलता और दूरदर्शिता के साथ निर्णय नहीं लिया गया, तो यह उत्तर और दक्षिण के बीच राजनी. तिक खाई को और गहरा कर सकता है।

भारत की असली ताकत उसकी "एकता में विविधता" है। इसलिए जरूरी है कि कोई भी निर्णय ऐसा हो जो सभी राज्यों के लिए न्यायपूर्ण, संतुलित और स्वीकार्य होकृतभी देश का लोकतंत्र और मजबूत हो सकेगा।

"वादे सादिक 4" की 80वीं लहर के तहत इज़राइल के खिलाफ नए सैन्य हमलों की शुरुआत की गई है।

सेना के जनसंपर्क विभाग के अनुसार, इस कार्रवाई में उत्तरी कब्जे वाले फ़िलिस्तीन में स्थित महत्वपूर्ण सैन्य और रणनी. तिक ठिकानों को भारी मिसाइल हमलों के जरिए निशाना बनाया गया। इस हमले को "या शदीद अल-कुवा" कोड नाम दिया गया और इसे लेबनान की प्रतिरोधी संगठन भ्रइवससी और दक्षिणी लेबनान के लोगों के समर्थन में बताया गया। बयान के मुताबिक, सफ़द शहर के पास स्थित इज़राइली सेना के एक अहम कमांड सेंटर को भी निशाना बनाया गया, जहां से उत्तरी सीमाओं पर सैन्य गतिविधियों की निगरानी की जाती है।सेना ने कहा कि यह कार्रवाई आने वाले लगातार हमलों की शुरुआत है, जिसमें उत्तरी फ़िलिस्तीन और गाज़ा के आसपास मौजूद इज़राइली सैन्य ठिकानों को मिसाइल और ड्रोन हमलों से निशाना बनाया जाएगा।

सऊदी अरब के मोहम्मद बिन सलमान ने ट्रंप से ईरान युद्ध जारी रखने की पैरवी की: रिपोर्ट

सऊदी अरब के डवींउउमक इपद"स. उंद निजी तौर पर क्वदंसक ज्तनउच से आग्रह कर रहे हैं कि अमेरिकी-इज. राइली सैन्य अभियान को ईरान के खिलाफ जारी रखा जाए। उन्होंने इस संघर्ष को पश्चिम एशिया को नया आकार देने का "ऐतिहासिक अवसर" बताया, जबकि यह युद्ध उनके अपने देश की अर्थव्यवस्था को गंभीर नुकसान पहुँचा रहा है, न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपा. र्ट के अनुसार।

पिछले सप्ताह में कई बातचीतों के दौरान, सऊदी अरब के वास्तविक शासक मोहम्मद बिन सलमान ने किसी भी तरह की आक्रामक कार्रवाई को कम करने के सुझाव का विरोध किय. ा। अमेरिकी अधिकारियों से जानकारी रखने वाले लोगों के अनुसार, उन्होंने कहा कि ईरान की सरकार खाड़ी क्षेत्र के लिए स्थायी खतरा है, जिसे केवल कूटनीति से नहीं संभाला जा सकता बल्कि केवल शासन परिवर्तन के माध्यम से ही समाप्त किया जा सकता है।

रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने और भी आगे बढ़कर अमेरिकी जमीनी ऑपरेशन ईरान के अंदर करने और झींतह प्संदक को सैन्य रूप से कब्जा करने की पैरवी की, जो ईरान के अधिकांश तेल निर्यात का केंद्र है।

सूत्रों के अनुसार, हाल के दिनों में क्वदंसक ज्तनउच ने ऐसे अभियान पर गंभीरता से विचार करना शुरू कर दिया है, जिसमें हवाई सेना की इकाइयाँ या मरीन एम्फीबियस हमला शामिल हो सकता है।

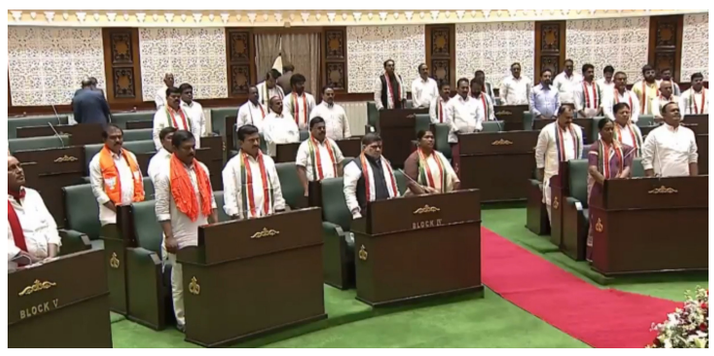

BJP ने AIMIM विधायकों के खिलाफ राष्ट्रीय गीत का अपमान करने पर कार्रवाई की मांग की

भ्लकमतंइंकः तेलंगाना भाजपा ने रा. ज्यपालैपअ च्तंजंचैनासं से आग्रह किया है कि वह विधानसभा अध्यक्ष को निर्देश दें कि वे सभी इंडिया मजलिस-ए-इत्ते. हादुल मुसलमीन (।ण्डप्ड) के विधायकों की सदस्यता निलंबित करें, जिन्होंने विधानस. भा में राष्ट्रीय गीत के प्रति अपमानजनक व्यवहार दिखाया।

भाजपा के राज्य अध्यक्ष छ त्ंउबींदकमत त्व के नेतृत्व में बुधवार, 25 मार्च को भाजपा नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने लोक भवन में राज्यपाल से मुलाकात की और ।ण्डप्ड विधायकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग वाला ज्ञापन सौंपा।

भाजपा ने राज्यपाल का ध्यान इस ओर दिलाया कि 16 मार्च को विधानसभा के बजट सत्र के पहले दिन, जब केंद्र सरक. ार के गृह मंत्रालय द्वारा हाल ही में 150 वर्षों की वर्षगांठ पर राष्ट्रीय गीत घोषित किए गए "वंदे मातरम" का पाठ किया जा रहा था, ।ण्डप्ड के सदस्य सदन से बाहर चले गए।

SADA-E-HUSSAINI
INFORMATION DESK
STAY CONNECTED. STAY INFORMED.
If you have any news, announcements, community updates, or Islamic event details you would like to share, Sada-e-Hussaini is here to help spread the word.
Whether it's a Majlis, Juloos, Niyaz, religious program, or any important update related to the minorities community, we're just a message away.
CONTACT US TODAY!
9490618051
8019162110